

गैलियम पुं. (अं.) एक धातु (रसायन) एक धात्विक तत्व।

गैली अ.क्रि. (देश.) गयी जैसे- लड़की गैली वि. गयी-बीती, तुच्छ जैसे- गैली दुनिया

गैली स्त्री. (अं.) 1. धातु की एक लंबी आयताकार रकाबी जो ऊपर से खुली होती है तथा जिसमें यष्टिक (अ.स्टिक) से अक्षरसंयोजित की गयी सामग्री लाकर रखी जाती है 2. उक्त में लगभग 20 इंच सामग्री आ सकने के कारण सामग्री के माप के रूप में प्रयुक्त इकाई।

गैलेक्सी स्त्री. (अं.) (खगोल.) एक तारामंडल जो अन्य तारामंडलों से आकाश गंगा जैसे विस्तृत आकाशीय क्षेत्रों द्वारा अलग रहता है परंतु स्वयं गुरुत्वाकर्षण द्वारा संघटित बना रहता है।

गैस पुं. (अं.) किसी भी पदार्थ का वायवीय रूप जैसे- हाइड्रोजन गैस।

गैस मास्क पुं. (अं.) मुख तथा श्वास प्रणाली को विषैली गैसों से बचाने वाला मुखौटा।

गैस (सिलिंडर) पुं. (अं.) गैस का बेलनाकार खोखला पात्र जिसमें आक्सीजन गैस आदि भरते हैं।

गैसा वि. (देश.) गया-सा, गया-गुजरा, बुरा 2. मलिन, कपटी।

गौ स्त्री. (तत्.) 1. गौ, गाय जैसे- गोशाला 2. इंद्रिय उदा. माया गुन गो पार वि. (फा.) जानने/ कहने/बोलने/समझने वाला या व्याख्या करने वाला जैसे- कानूनगों; किस्सागो।

गोड़/गोय क्रि.वि. (तद्.) छिपाकर उदा. रहिमन निज मन की विथा, मन ही राखो गोय। -रहीम

गोमा स्त्री. (देश.) गोमती नदी।

गोमाता स्त्री. (तत्.) गो-माता, गऊ माता, मातृतुल्य गोजाति 2. गोवंशली आदिमाता 3. कश्यप की पत्नी जिसका नाम सुरभि था।

गोमाय पुं. (तद्.) दे. गोमायु।

गोमायु पुं. (तत्.) 1. सियार, गीदड़, शृंगला 2. एक गंधर्व का नाम 3. एक प्रकार का मेंढक 4. गाय की खाल।

गोमुख पुं. (तत्.) गौ का मुँह 2. मगर नामक जलजंतु 3. नरसिंहा नामक एक बाजा 4. योग में एक प्रकार का आसन 5. यक्ष का नाम वि. गौ के समान मुँह वाला जैसे गोमुख संधि या मेंध।

गोमुखी स्त्री. (तत्.) ऊन आदि की बनी हुई एक प्रकार की थैली जिसमें हाथ रख कर जप करते समय माला फेरते हैं टि. इसका आकार गाय के मुख का-सा होता है, इसे जपमाली कहते हैं 2. गंगा का उद्गम स्थान जो गौ के मुख के आकार का है।

गोमेद पुं. (तत्.) 1. गोमेद मणि 2. शीतल चीनी, कबाव चीनी।

गोमेदक पुं. (तत्.) एक प्रसिद्ध मणि जिसकी गणना नौ रत्नों में होती है 2. काकोल नामक विष जो काला होता है 3. पत्रक नामक साग 4. अंगराग लेपन।

गोमेध पुं. (तत्.) अश्वमेध के ढंग का एक यज्ञ टि. इसमें गौ से हवन किया जाता था, इसका अनुष्ठान कलियुग में वर्जित है, इसे गोसल यज्ञ भी कहते हैं मनु के अनुसार ब्रह्म हत्या के प्रायश्चित के लिए और गोभिलगृह्य सूत्र के अनुसार पुष्टिकामना से इस यज्ञ का अनुष्ठान होता है।

गोयंद पुं. (तद्.) दे. गोविंद।

गोय पुं. (फा.) गेंद।

गोया अव्य. (फा.) मानो प्रयो. आप तो ऐसे कह रहे हैं, जैसे गोया आप वहाँ थे ही नहीं।

गोर पुं. (अर.) फ़ारस देश के एक प्रांत का नाम।

गोर पुं. (तद्.) गोरा, उज्ज्वल वर्ण का, सफेद।

गोरक्ष पुं. (तत्.) ग्वाला 2. गोरक्षण 3. नारंगी 4. नेपाल देश का निवासी।